RE. STAND OF GOVERNMENT ON AYODHYA ISSUE—*contd.*

श्री अर्जुन सिंह: सर, मैं आपकी अनुमति से इस बात को फिर से यहां पर कहना चाहूंगा कि सदन के नेता ने उस समय जो भी कहा वह केवल मूल प्रश्न को टालने की बात थी और यह विषय ऐसा नहीं है जिसको इस प्रकार से ...(व्यवधान) यह विषय है प्रधान मंत्री द्वारा यहां पर आ कर, इस बारे में वक्तव्य देने का कि अयोध्या में जो कुछ हो रहा है उससे देश को जो खतरा होगा उससे कैसे बचा जाए। यह विषय है। ...(व्यवधान)

श्री राजू परमार: सर, हमारे आदरणीय नेता ने जो बात उठाई थी ...(व्यवधान)

श्री अर्जुन सिंह: मैं यह निवेदन करना चाहता हूं ...(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी): आप किस विषय में बात कह रहे हैं?

श्री अर्जुन सिंह: उपसभाध्यक्ष महोदय, हम इस विषय पर बात कर रहे हैं कि जो प्रश्न उठा था कि अयोध्या में जो गतिविधियां हो रही हैं, उन पर सदन के नेता ने ...(व्यवधान)

एक माननीय सदस्य: सदन के नेता ने क्या किया? ...(व्यवधान)

श्री अर्जुन सिंह: सदन के नेता ने तो अपने बारे में बचाव किया। सदन के नेता ने कहा कि आप उनके ऊपर शंका मत करें। हम उनके ऊपर शंका नहीं कर रहे हैं। हमारी जो बात है वह हमारे अनुभव के आधार पर है। जो सारे राष्ट्र को अनुभव हुआ, 1992 में ...(व्यवधान) सुप्रीम कोर्ट में एफीडेविट देकर प्रतिबद्धता की और सुप्रीम कोर्ट को आश्वस्त किया गया, वहां के मुख्य मंत्री द्वारा और इस प्रकार से आगे चल कर उसका उल्लंघन किया गया, यह बात हमने यहां पर सुबह उठायी थी और जो सदन के नेता ने कहा था वह केवल टालमटोल की बात थी। उन्होंने कोई आश्वासन नहीं दिया। हम उनके ऊपर कोई लांछन नहीं लगाते, लेकिन मैं समझता हूं कि वे मजबूर हैं, कुछ कर नहीं सकते। ...(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी): ठीक है, अब हम लिस्टेड बिज़नैस लें।

श्री अर्जुन सिंह: जी नहीं, पहले इसके बारे में फैसला हो जाए। प्रधान मंत्री जी यहां पर आकर सदन को आश्वस्त करें तभी बात आगे बढ़ेगी और प्रधान मंत्री जी के बजाय अन्य मंत्री के आश्वासन को हम नहीं सुनेंगे। ...(व्यवधान)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI O. RAJAGOPAL): Sir, let the Papers be laid on the Table. *(Interruptions)* First of all,

finish the listed Business like laying of Papers and other work. Then, we can take up ...*(Interruptions)*

SHRI ARJUN SINGH: No, no. What do you mean by other work? I think, this work is most important. You are putting the country in flames. What do you mean by other work? *(Interruptions)*

SHRI O. RAJAGOPAL: The Leader of the House has already replied. Sir, today an all-party meeting has been convened by the hon. Prime Minister, on this very issue. *(Interruptions)*

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी): बैठिए-बैठिए। ...(व्यवधान) देखिए, लंच के बाद हमें लिस्टेड बिज़नैस टेक अप करना है। अगर सदन की राय हो तो हम लोग उसको टेक अप करें।

श्री अर्जुन सिंह: सदन की राय बन सकती है। ...(व्यवधान)

श्री नीलोत्पल बसु: सुबह से मामला चला हुआ है। ...(व्यवधान)

SHRI O. RAJAGOPAL: Sir, it has already been replied in the House and there is no point in continuing with this issue. *(Interruptions)*

श्री राजू परमार: अयोध्या के बारे में सरकार क्या कर रही है, आप इस बारे में बताइए?

SHRI O. RAJAGOPAL: So far as the Prime Minister is concerned, he has already convened a meeting of leaders of various political parties. *(Interruptions)*

श्री नीलोत्पल बसु: ऑल-पार्टी मीटिंग बुलाई गई है, वह अपनी जगह पर है। लेकिन जब सदन चल रहा है तो प्रधान मंत्री जी को पहले सदन में आकर इस मामले में आश्वस्त करना होगा। ...(व्यवधान)... सरकार का इस मामले में जो रिकॉर्ड रहा है, उसे देखकर तो उस पर विश्वास नहीं किया जा सकता है। ...(व्यवधान)... प्रधान मंत्री जी 12 मार्च की तारीख के बारे में जिक्र करते। ...(व्यवधान)..

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी): बैठिए।

श्री नीलोत्पल बसु: उपसभाध्यक्ष जी, हम लोग भी मजबूर हैं। ...(व्यवधान)...

श्री अर्जुन सिंह: माननीय उपसभाध्यक्ष जी, समुचित प्रबंध कर दिया गया है, यह कोई आधार नहीं होता, यह कोई आश्वासन नहीं होता।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): ठीक है। Now the House is adjourned till Thursday, the 28th February, 2002 for laying a copy of the General Budget on the Table.

The House adjourned at six minutes past two of the clock till thirty minutes past twelve of the clock on Thursday, the 28th February, 2002.

MGIP(PLU)MRND—1510RS—26-07-2002.